Prokerala

Kundali Matching

Mini

15 January, 1970, 08:00 AM

Kottayam

Jose

13 March, 1968, 08:00 AM

Kottayam

मङ्गलम् भगवान विष्णुः मङ्गलम् गरुड़ध्वजः।
मङ्गलम् पुण्डरी काक्षः मङ्गलाय तनो हरिः॥

लड़की के जन्म का विवरण

नाम	Mini
जन्म तिथि	15 January, 1970
जन्म का समय	08:00 am
जन्म तारीख	गुरुवार
दिन/रात	दिन
जन्म स्थान	Kottayam
अक्षांश एवं देशांतर	9.93988, 76.2602
समय क्षेत्र सुधार	स्टैण्डर्ड टाइम(+05:30)
अयनांश	लाहिड़ी
जेंडर (लिंग)	स्त्री

वर्ष 1970, 15 जनवरी, गुरुवार को उत्तरायण के समय, सूर्योदय के पश्चात 08:00 AM बजे 2 घटी (नाझिका) और 55 विघटी (विनाझिका) पर, नवमी तिथि, बालव करण, सिद्ध नित्य योग, अश्विनी नक्षत्र के तीसरे पद में, मकर लग्न, मकर सूर्य राशि और मेष चन्द्र राशि में इस लड़की का जन्म हुआ।

नक्षत्र	चंद्र राशि	सूर्य राशि
अश्विनी	मेष	मकर
पद : 3	एरीज़	कैप्रिकॉर्न

लड़की की ग्रह स्थिति

वैदिक ज्योतिष में, ग्रहों की स्थिति का निर्धारण निरयन रेखांश पर निर्भर करता है, जहाँ "निर-अयन" का अर्थ है कोई गति नहीं। यहाँ, अयनांश, गतिमान वसंत विषुव और सटीक नक्षत्र शून्य मेष बिंदु के बीच सटीक डिग्री अंतर, पश्चिमी ज्योतिष में उपयोग किए जाने वाले सायन रेखांश से घटाया जाता है। अयनांश की गणना के लिए उपयोग की जाने वाली विभिन्न प्रथाओं में से, यहाँ उपयोग की जाने वाली विधि चित्रपक्ष है।

चित्रपक्ष लाहिड़ी : 23° 26‘ 18“

ग्रह	स्थान	डिग्री	राशि	प्रभु	नक्षत्र	प्रभु
रवि	271° 5‘ 39“	1° 5‘ 39“	मकर	शनि	शतभिषा	रवि
चंद्र	7° 43‘ 59“	7° 43‘ 59“	मेष	मंगल	अनुराधा	केतु
बुध ℞	267° 5‘ 5“	27° 5‘ 5“	धनुष	गुरू	शतभिषा	रवि
शुक्र	268° 45‘ 36“	28° 45‘ 36“	धनुष	गुरू	शतभिषा	रवि
मंगल	329° 18‘ 10“	29° 18‘ 10“	कुम्भ	शनि	उत्तरभाद्रपदा	गुरू
गुरू	190° 35‘ 34“	10° 35‘ 34“	तुला	शुक्र	पूर्वाषाढ़ा	राहु
शनि	8° 44‘ 3“	8° 44‘ 3“	मेष	मंगल	अनुराधा	केतु
लग्न	288° 53‘ 54“	18° 53‘ 54“	मकर	शनि	श्रवण	चंद्र
राहु ℞	321° 6‘ 5“	21° 6‘ 5“	कुम्भ	शनि	उत्तरभाद्रपदा	गुरू
केतु ℞	141° 6‘ 5“	21° 6‘ 5“	सिंह	रवि	मघा	शुक्र

℞ वक्री को दर्शाता है

लड़की की जन्म कुंडली

नीचे उत्तर भारतीय शैली में Mini के लिए लग्न, नवमांश और चंद्रमा चार्ट दिए गए हैं।

लग्न चार्ट

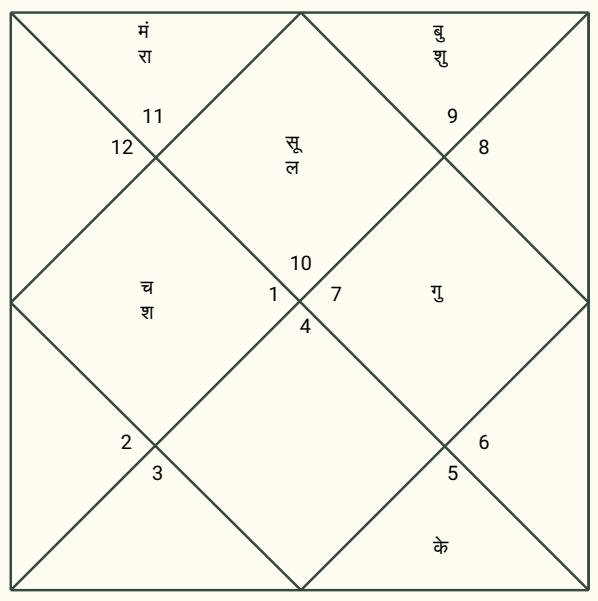

नवमांश चार्ट

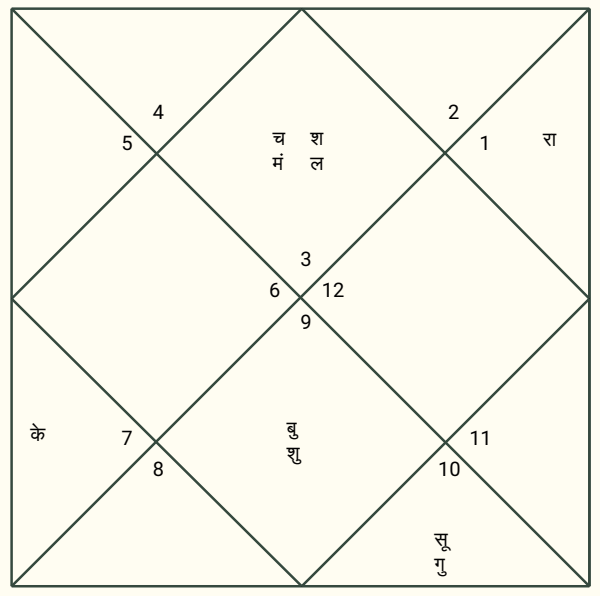

चंद्र चार्ट

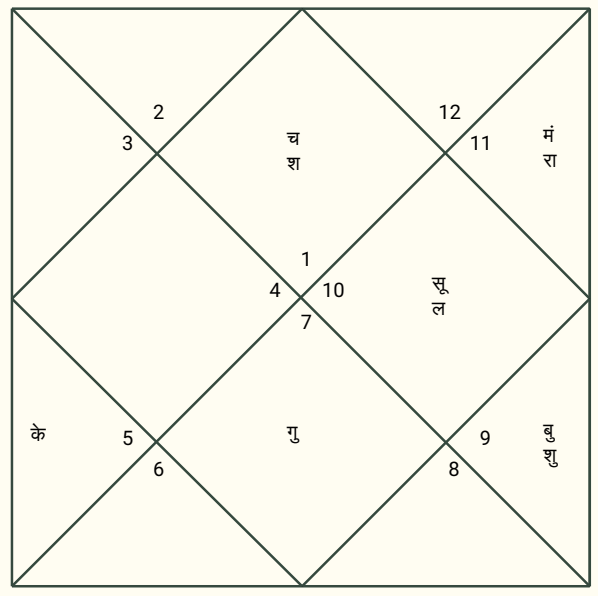

लड़की का नक्षत्र और राशि विवरण

नक्षत्र	अश्विनी (3/4)
नक्षत्र प्रभु	केतु
चंद्र राशि	मेष
चंद्र राशि स्वामी	मंगल
सूर्य राशि	मकर
सूर्य राशि स्वामी	शनि
राशि चक्र चिन्ह (पश्चिमी प्रणाली)	कैप्रिकॉर्न
देवता	अश्विनी कुमार
गण	देव गण
चिह्न	अश्वमुख
पशु चिन्ह	घोडा
नाड़ी	वात
रंग	सुर्ख लाल
सर्वोत्तम दिशा	दक्षिण
शब्दांश	Chu, Che, Cho, La
जन्म रत्न	वैडूर्य (लहसुनिया)
योनि	पुरुष
शत्रु	भेंस
वृक्ष	कुचला
भूत	पृथ्वी
गोत्र	मारीचि

लड़के के जन्म का विवरण

नाम	Jose
जन्म तिथि	13 March, 1968
जन्म का समय	08:00 am
जन्म तारीख	बुधवार
दिन/रात	दिन
जन्म स्थान	Kottayam
अक्षांश एवं देशांतर	9.93988, 76.2602
समय क्षेत्र सुधार	स्टैण्डर्ड टाइम(+05:30)
अयनांश	लाहिड़ी
जेंडर (लिंग)	पुरुष

वर्ष 1968, 13 मार्च, बुधवार को उत्तरायण के समय, सूर्योदय के पश्चात 08:00 AM बजे 3 घटी (नाझिका) और 28 विघटी (विनाझिका) पर, चतुर्दशी तिथि, गर करण, धृति नित्य योग, मघा नक्षत्र के तीसरे पद में, मीन लग्न, कुम्भ सूर्य राशि और सिंह चन्द्र राशि में इस लड़का का जन्म हुआ।

नक्षत्र	चंद्र राशि	सूर्य राशि
मघा पद : 3	सिंह लियो	कुम्भ एक्वेरियस

लड़के की ग्रह स्थितियां

वैदिक ज्योतिष में, ग्रहों की स्थिति का निर्धारण निरयन रेखांश पर निर्भर करता है, जहाँ "निर-अयन" का अर्थ है कोई गति नहीं। यहाँ, अयनांश, गतिमान वसंत विषुव और सटीक नक्षत्र शून्य मेष बिंदु के बीच सटीक डिग्री अंतर, पश्चिमी ज्योतिष में उपयोग किए जाने वाले सायन रेखांश से घटाया जाता है। अयनांश की गणना के लिए उपयोग की जाने वाली विभिन्न प्रथाओं में से, यहाँ उपयोग की जाने वाली विधि चित्रपक्ष है।

चित्रपक्ष लाहिड़ी : 23° 24‘ 46“

ग्रह	स्थान	डिग्री	राशि	प्रभु	नक्षत्र	प्रभु
रवि	329° 10‘ 21“	29° 10‘ 21“	कुम्भ	शनि	उत्तरभाद्रपदा	गुरू
चंद्र	126° 57‘ 39“	6° 57‘ 39“	सिंह	रवि	कृत्तिका	केतु
बुध	301° 38‘ 33“	1° 38‘ 33“	कुम्भ	शनि	स्वाति	मंगल
शुक्र	303° 33‘ 23“	3° 33‘ 23“	कुम्भ	शनि	स्वाति	मंगल
मंगल	355° 31‘ 3“	25° 31‘ 3“	मीन	गुरू	विशाखा	बुध
गुरू ℞	124° 46‘ 8“	4° 46‘ 8“	सिंह	रवि	कृत्तिका	केतु
शनि	349° 5‘ 19“	19° 5‘ 19“	मीन	गुरू	विशाखा	बुध
लग्न	353° 39‘ 14“	23° 39‘ 14“	मीन	गुरू	विशाखा	बुध
राहु ℞	356° 45‘ 44“	26° 45‘ 44“	मीन	गुरू	विशाखा	बुध
केतु ℞	176° 45‘ 44“	26° 45‘ 44“	कन्या	बुध	पुनर्वसु	मंगल

℞ वक्री को दर्शाता है

लड़के की जन्म कुंडली

नीचे उत्तर भारतीय शैली में Jose के लिए लग्न, नवमांश और चंद्रमा चार्ट दिए गए हैं।

लग्न चार्ट

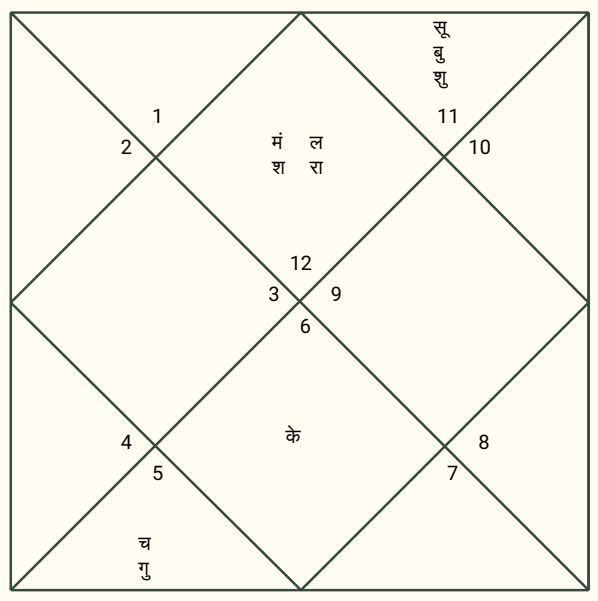

नवमांश चार्ट

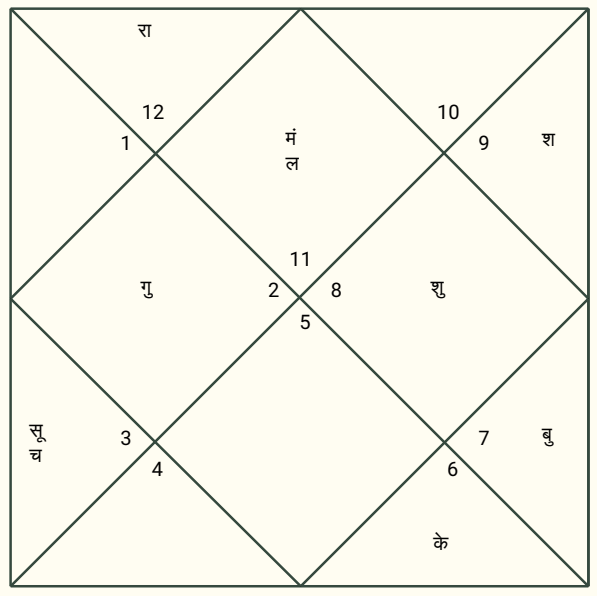

चंद्र चार्ट

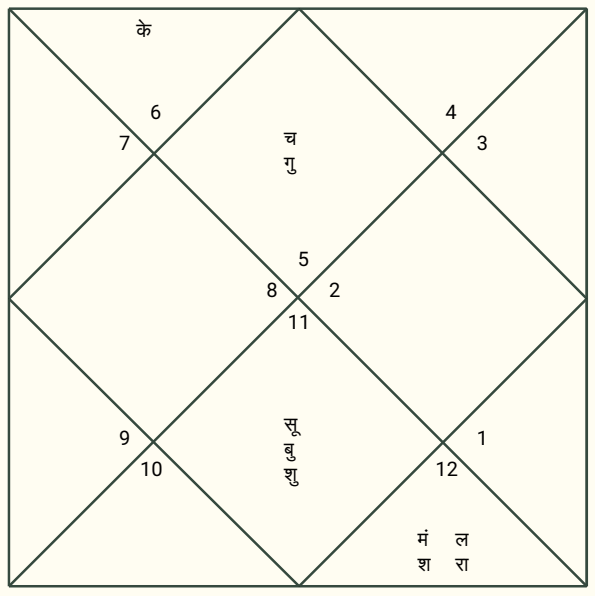

लड़के का नक्षत्र और राशि विवरण

नक्षत्र	मघा (3/4)
नक्षत्र प्रभु	केतु
चंद्र राशि	सिंह
चंद्र राशि स्वामी	सूर्य
सूर्य राशि	कुम्भ
सूर्य राशि स्वामी	शनि
राशि चक्र चिन्ह (पश्चिमी प्रणाली)	पाइसीज़
देवता	पितृ
गण	राक्षस गण
चिह्न	पालकी
पशु चिन्ह	चूहा
नाड़ी	कफ
रंग	क्रीम रंग
सर्वोत्तम दिशा	पश्चिम
शब्दांश	Ma, Me, Mu, Me
जन्म रत्न	वैडूर्य (लहसुनिया)
योनि	पुरुष
शत्रु	बिल्ली
वृक्ष	बरगद
भूत	जल
गोत्र	अंगिरस

मंगल दोष

वेदिक ज्योतिष में, एक विशेष ग्रहयोग होता है जिसे मंगल दोष कहा जाता है, जो तब बनता है जब ग्रह मंगल किसी व्यक्ति की जन्म कुंडली में अशुभ स्थिति में होता है। मंगल दोष को बहुत अशुभ माना जाता है और यह माना जाता है कि यह व्यक्ति के जीवन में समस्याएँ उत्पन्न करता है। यह योग बहुत हानिकारक माना जाता है और उन जीवन क्षेत्रों में समस्याएँ उत्पन्न करने के लिए जाना जाता है जिनका प्रतिनिधित्व उन घरों द्वारा किया जाता है जहाँ मंगल स्थित होता है।

मंगल दोष को व्यक्ति की वैवाहिक जीवन के लिए विशेष रूप से हानिकारक माना जाता है। ऐसा माना जाता है कि यह योग विवाह में देरी, वैवाहिक विवाद, अलगाव या तलाक जैसी समस्याएँ उत्पन्न कर सकता है। यह योग व्यक्ति के स्वास्थ्य के लिए भी हानिकारक माना जाता है। यह विश्वास किया जाता है कि मंगल दोष दुर्घटनाएँ, चोटें, सर्जरी या दीर्घकालिक स्वास्थ्य समस्याएँ उत्पन्न कर सकता है।

लड़की का मंगल दोष विवरण

आपकी कुंडली में मंगल दोष है|

चूंकि लग्न से मंगल ग्रह 2 भाव में स्थित है, यह व्यक्ति मांगलिक है।

अपवाद

- तुला राशि के दसवे भाव से गुरू कुम्भ राशि के दूसरे भाव में स्थित मंगल पर दृष्टि डाल रहा है, जो आपकी कुंडली में मंगल दोष को नकारता है।
- आपकी कुण्डली में चन्द्रमा मेष राशि में, चौथे भाव में, केन्द्र में स्थित है जो मंगल दोष के प्रभाव को समाप्त कर देता है।
- सप्तमेश चंद्र मेष राशि में चौथे भाव में, एक केंद्र में, मित्र राशि में है, जो मंगल दोष के प्रभाव को रद्द करता है।

लड़के का मंगल दोष विवरण

आपकी कुंडली में मंगल दोष है|

चूंकि लग्न से मंगल ग्रह 1 भाव में स्थित है, यह व्यक्ति मांगलिक है।

अपवाद

- मंगल आपकी कुंडली में पहले भाव में मीन राशि में है, जिस वजह से मंगल दोष निरस्त हो चुका है।
- आपकी कुंडली में राहु और मंगल पहले भाव, यानी केंद्र में युति में हैं, जिस वजह से मंगल दोष निरस्त हो चुका है।

गुण मिलान

कुंडली मिलान, जिसे गुण मिलान के नाम से भी जाना जाता है, संभावित पति और पत्नी के बीच अनुकूलता का मूल्यांकन उनके राशि और नक्षत्र के आधार पर करता है। यह उनके संभावित स्वभाव, प्रेम, समझ और अन्य पहलुओं के बारे में जानकारी प्रदान करता है। गुण मिलान अष्टकूट प्रणाली का उपयोग करता है, जो शादी के बाद जीवन के आठ विभिन्न पहलुओं का मूल्यांकन करता है। इन आठ पहलुओं, जिन्हें कूट कहा जाता है, को 1 से लेकर 8 तक अंक दिए जाते हैं, जिसमें वर्ण कूट को 1 अंक और नाड़ी कूट को 8 अंक मिलते हैं। मिलाकर, ये अंक कुल 36 होते हैं, जिन्हें उत्तरी भारत में छत्तीस गुण के रूप में जाना जाता है।

नीचे दी गई तालिका अष्टकूट प्रणाली के अनुसार जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में लड़के और लड़की के बीच अनुकूलता का विवरण देती है।

#	गुण	लड़की	लड़का	अधिकतम अंक	प्राप्त अंक	जीवन का क्षेत्र
1	**वर्ण कूट**	क्षत्रिय	क्षत्रिय	1	1	अभिक्षमता
2	**वश्य कूट**	चतुष्पद	वनचर	2	0	वश्यता
3	**तारा कूट**	अश्विनी	मघा	3	3	करुणा
4	**योनि कूट**	अश्व	मूषक	4	2	यौनसंगति
5	**ग्रह मैत्री**	मंगल	सूर्य	5	5	स्नेह
6	**गण कूट**	देव	राक्षस	6	1	स्वभाव
7	**भकूट कूट**	मेष	सिंह	7	0	प्रेम
8	**नाड़ी कूट**	आद्य	अंत्य	8	8	संतति

गुण मिलान अंक : (20 / 36)

गुण मिलान विवेचन

कुंडली मिलाते हुए गुण मिलान में नाड़ी कूट को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई है | अगर नाड़ी कूट प्रतिकूल है तो २८ गुणों का मिलान भी अशुभ माना जायेगा |

गुण मिलान में अधिकतम ३६ गुण होते है | अगर भकूट और नाड़ी कूट अनुकूल है तो ३१ से ३६ गुणों का संयोजन सर्वश्रेष्ट माना जायेगा , २१ से ३० गुण बहुत अच्छे , १७ से २० मध्यम और ०-१६ गुण अशुभ होंगे |

अगर भकूट कूट प्रतिकूल है तो संयोजन कभी भी अच्छा नहीं होगा | २६-२९ गुण काफी अच्छे , २१-२५ गुण मध्यम और ०-२० गुण अशुभ माने जाएंगे |

नीचे दी गई व्याख्याएं वर और वधू द्वारा प्राप्त गुण मिलान अंकों को विस्तार से दर्शाती हैं।

वर्ण कूट

विवाह हेतु तैयार जोड़ों में आध्यात्मिक या अहंकारी प्रवृत्ति का स्वरुप किस प्रकार का है इसका निर्धारण वर्ण के माध्यम से किया जाता है। जन्म- राशी के आधार पर वर्णों का विभाजन चार श्रेणियों ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य, शुद्र के रूप में किया गया है। वर्ण के आधार पर आदर्श विवाह उसे माना जाता है जिसमें वर का वर्ण वधु के वर्ण से उच्च होता है।

लड़के और लड़की दोनों का वर्ण क्षत्रिय है |इस तरह की युक्ति , संयोजन के लिए काफी अनुकूल है | इस जोड़े के लिए वर्ण कूट अच्छा है|

वर्ण कूट उचित है।

वश्य कूट

पति-पत्नी द्वारा एक दूसरे पर डाले जाने वाले चुम्बकीय प्रभाव या नियंत्रण की स्थिति की गणना वस्य द्वारा किया जाता है। हर एक चंद्र राशि में कुछ विशेष राशियां होती हैं। इन राशियों को पांच श्रेणियों चतुष्पद, मानव, जलचर, वनचर एवं कीट के रूप में वर्गीकृत किया गया है। एक सुसंगत वैवाहिक जीवन के लिए चंद्र राशि के एक ही समूह के जोड़ों का विवाह आदर्श विवाह माना जाता है।

लड़के का वैश्य वनचर है जबकि लड़की का वैश्य चतुष्पद है |'यह एक अत्यंत बुरा मिलान है | इस जोड़े के लिए वैश्य कूट संतोषजनक नहीं है हालाँकि अगर अन्य गुण बेहतर तरीके से मिलते है तो इस संयोजन को स्वीकार किया जा सकता है |

वश्य कूट अयोग्य है।

तारा कूट

ताराकूट का मूल्यांकन वर-वधु के जन्म नक्षत्र के बीच के नक्षत्रों की संख्या गणना करके किया जाता है। एक आदर्श विवाह उसे माना जाता है जिसमें जोड़ों का जन्म-नक्षत्र या जन्म-तारा अनुकूल ढंग से एक सीध में एक-दूसरे से जुड़ रहा होता है।

लड़के और लड़की का तारा समूह एक है |लड़के का नक्षत्र मघा लड़की के नक्षत्र अश्विनी से 1st स्थान पर है , जो की शुभ लाभकारी है |ये एक सर्वश्रेस्थ गुण मिलान में से एक हैं| इस जोड़े के लिए तारा कूट सर्वश्रेष्ट है|

तारा कूट अति उत्तम है।

योनि कूट

जोड़ों के बीच यौन सुसंगता की गणना योनी के द्वारा की जाती है। नक्षत्रों के अनुसार देखा जाए तो स्त्री और पुरुष दोनों की एक-एक नक्षत्र हैं और प्रत्येक नक्षत्र एक पशु से संबंधित होता है। एक ही वर्ग की योनी के लोगों या पशु के बीच होने वाले योनी मिलन को सुखी वैवाहिक जीवन की दृष्टि से उत्तम माना जाता है।

लड़के की योनि मूषक है जबकि लड़की की योनि अश्व हैं |यह एक अधिमान्य संयोजन है। इस जोड़े के लिए योनि कूट औसत है।

योनि कूट मद्धम है।

ग्रह मैत्री

ग्रह मैत्री शासन करने वाले ग्रहों और उनसे संबंधित चंद्र राशि के बीच सद्भावना की स्थिति पर आधारित होता है। जोड़ों के मनोवैज्ञानिक स्वभाव की गणना ग्रह मैत्री के आधार पर ही की जाती है। वर-वधु में चंद्रमा के शासन करने की स्थिति कैसी है, इसके आधार पर ही ग्रह मैत्री की गणना की जाती है। यदि जोड़ों के चंद्रमा के बीच शासन करने की स्थिति आपस में मित्रता का साझा करने वाली होती है तो, इस विवाह को आदर्श माना जाता है।

लड़के का राशि स्वामी सूर्य है और लड़की का राशि स्वामी मंगल हैं |लड़के की राशि सिंह है और लड़की की राशि मेष है |ये एक सर्वश्रेष्ट मिलान है | इस जोड़े का ग्रह मैत्री कूट सर्वश्रेष्ट है |

ग्रह मैत्री अति उत्तम है।

गण कूट

गण या स्वभाव तीन प्रकार के होते हैं। सुखी वैवाहिक जीवन के लिए आवश्यक स्वभाव की अनुकूलता का मांपन गण कूट द्वारा किया जाता है। इन तीनों गणों देव, मनुष्य और राक्षस के लिए नक्षत्रों में से एक-एक नक्षत्र को तय किया गया है। एक अनुकूल वैवाहिक जीवन के लिए एक ही गण के दो लोगों के बीच होने वाले विवाह को उत्तम विवाह माना जाता है।

लड़के का गण राक्षस है जबकि लड़की का गण देव हैं |ये एक बेहतर युक्ति है | इस जोड़े का गण कूट मध्यम है |

गण कूट मद्धम है।

भकूट कूट

भकूट विवाहित दंपति के चंद्र राशियों के बारे में बताता है। साथ ही, यह विवाहित जीवन से जुड़े सभी प्रकार के सुखों को भी दर्शाता है। स्त्री की चंद्र राशि जब पुरुष के चंद्र राशि के बाद आती है तो इस मेल को शुभ माना जाता है। इसके अतिरिक्त, यदि चंद्रमा की स्थिति एक ही राशि पर है तो इसके नक्षत्रों पर विचार किया जाता है और यदि स्त्री का चंद्र-नक्षत्र पुरुष के चंद्र-नक्षत्र के बाद आता है तो इसे लाभदायक माना जाता है।

लड़के का राशि चिन्ह सिंह है जबकि लड़की का राशि चिन्ह मेष है |ये अशुभ युक्ति है | इस जोड़े के लिए भकूट कूट अच्छा नहीं है |

भकूट कूट अयोग्य है।

नाड़ी कूट

संतान प्राप्ति नाड़ी कूट से संबंधित है। नाड़ी कूट तंत्रिका तंत्र के आयुर्वेदिक प्रणाली को दर्शाता है। नाड़ी कूट चंद्रमा एवं अन्य ग्रहों से प्रभावित होता है। तीन नाड़ियां वात, पित्त और कफ़ हैं। नाड़ी कूट सुसंगता के हिसाब से, आदर्श विवाह वह माना जाता है जिसमें वैवाहिक जोड़े का चंद्रमा और नक्षत्र अलग-अलग नाड़ी से संबंधित होता है।

लड़के की नाड़ी अंत्य है जबकि लड़की की नाड़ी आद्य है |नाड़ी अनुकूलता के मुताबिक ये बहुत ही अच्छी युक्ति है | इस जोड़े के लिए नाड़ी कूट सर्वश्रेष्ट है |

नाड़ी कूट अति उत्तम है।

आपका गुण मिलान फल

आपके दिए गए इनपुट और गुण मिलान के नियमों के आधार पर परिणाम नीचे दिया गया है।

जाँच	फल
लड़की की मंगल दोष स्थिति	मांगलिक है।
लड़के की मंगल दोष स्थिति	मांगलिक है।
गुण मिलान अंक	20 / 36

यह मिलन अशुभ है। कुण्डली मिलान से कम अंक प्राप्त होते हैं।

Disclaimer: All astrological calculations are based on vedic rules & scientific equations and not on any published almanac. Though all efforts have been made to ensure the accuracy of all published reports and calculations, we do not rule out the possibility of any unexpected errors. Therefore, Brand cannot be held responsible for the decisions that may be taken by anyone based on this report. Brand assumes no liability for any decisions made based on output from our calculations or reports. The reports or remedies should not be used as substitute for advice, programs, or treatment that you would normally receive from a licensed professional, such as a financial or legal advisor, doctor, psychiatrist etc. Information, forecasts, predictions, reports and remedies provided by Brand should be taken strictly as guidelines and suggestions.

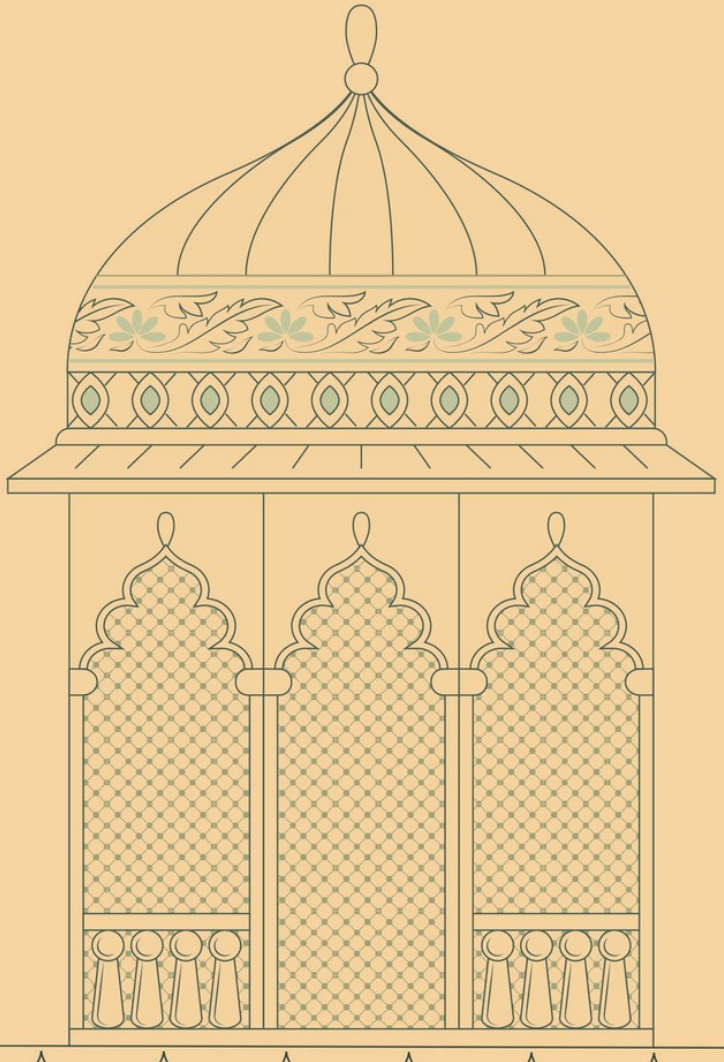

Prokerala

www.prokerala.com

1800 425 0053

support@prokerala.com